इंडिया-एआई इम्पैक्ट समिट 2026: क्या भारत विकास-केंद्रित वैश्विक एआई व्यवस्था का नेतृत्व कर सकता है?

UPSC प्रासंगिकता- GS पेपर II (शासन और अंतर्राष्ट्रीय संबंध)

IAS-PCS Institute

चर्चा में क्यों?

इंडिया–एआई इम्पैक्ट समिट 2026 का उद्घाटन 16 फरवरी 2026 को नई दिल्ली में किया गया, जिसमें 20 से अधिक राष्ट्राध्यक्ष, 60 मंत्री और 500 वैश्विक एआई (AI) दिग्गज शामिल हुए। इस शिखर सम्मेलन का उद्देश्य आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) के प्रति एक समावेशी, जिम्मेदार और विकास-उन्मुख दृष्टिकोण को बढ़ावा देना है, जो 'विकसित भारत@2047' के दृष्टिकोण के अनुरूप है।

पृष्ठभूमि

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक ऐसी परिवर्तनकारी तकनीक के रूप में उभरी है जो आर्थिक विकास, शासन और वैश्विक शक्ति संरचनाओं को आकार दे रही है। पारंपरिक रूप से, एआई गवर्नेंस (AI शासन) की चर्चाओं पर विकसित अर्थव्यवस्थाओं का दबदबा रहा है। हालांकि, इंडिया–एआई इम्पैक्ट समिट 2026 भारत को 'ग्लोबल साउथ' (विकासशील देशों) की एक प्रमुख आवाज के रूप में स्थापित करता है, जो लोगों पर केंद्रित और विकास-उन्मुख एआई ढांचे को तैयार कर रहा है।'पीपल, प्लैनेट और प्रोग्रेस' (लोग, ग्रह और प्रगति) के सिद्धांतों पर आधारित यह सम्मेलन, 'इंडिया-एआई मिशन' और 'डिजिटल इंडिया' पहल के तहत विभिन्न क्षेत्रों में इसके उपयोग, संस्थागत समन्वय और वैश्विक सहयोग को जोड़ता है।

तीन सूत्र: एआई गवर्नेंस के लिए मानक ढांचा

यह शिखर सम्मेलन तीन बुनियादी सिद्धांतों (सूत्रों) पर टिका है:

1. **पीपल (लोग):** एआई को मानवीय गरिमा, समावेशिता और विविधता की रक्षा करनी चाहिए। यह टेलीमेडिसिन, अनुकूल शिक्षा, वित्तीय समावेशन और न्याय तक पहुंच के माध्यम से जनकल्याण के विस्तार का समर्थन करता है।
2. **प्लैनेट (ग्रह):** एआई नवाचार को स्थिरता (Sustainability) के लक्ष्यों के साथ तालमेल बिठाना चाहिए। यह एआई प्रणालियों में अधिक ऊर्जा खपत और बड़े डेटा केंद्रों के पर्यावरणीय प्रभाव जैसी चिंताओं को दूर करता है।

3. **प्रोग्रेस (प्रगति):** आर्थिक विकास और सामाजिक भलाई को आगे बढ़ाने के लिए एआई के लाभों को समान रूप से साझा किया जाना चाहिए। यह वैश्विक स्तर पर एआई के कुछ हाथों में सिमटने के जोखिम को पहचानता है और समावेशी तकनीकी वैश्वीकरण की वकालत करता है।

सात चक्र: वैश्विक सहयोग के लिए संस्थागत विषय

शिखर सम्मेलन अपने दृष्टिकोण को सात सहयोग विषयों के माध्यम से लागू करता है:

IAS-PCS Institute

- **मानव पूंजी (Human Capital):** एआई अर्थव्यवस्था के लिए कार्यबल को पुन: कुशल (Reskilling) बनाना।
- **सामाजिक सशक्तिकरण के लिए समावेश:** नागरिक-केंद्रित एआई का उपयोग।
- **सुरक्षित और विश्वसनीय एआई:** जिम्मेदार एआई शासन ढांचा।
- **लचीलापन, नवाचार और दक्षता:** एआई का सतत विकास।
- **विज्ञान:** एआई-आधारित अनुसंधान और खोज को गति देना।
- **एआई संसाधनों का लोकतंत्रीकरण:** कंप्यूटिंग क्षमता और डेटासेट तक पहुंच बढ़ाना।
- **आर्थिक विकास और सामाजिक कल्याण के लिए एआई:** समावेशी उत्पादकता लाभ।

यह ढांचा पूरी तरह से बाजार-संचालित या निगरानी-केंद्रित मॉडल के बजाय एक 'विकासात्मक एआई मार्ग' बनाने का प्रयास करता है।

Result Mitra
रिजल्ट का साथी
@resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806

भारत के लिए क्षेत्रीय महत्व

- **स्वास्थ्य सेवा:** एआई-संचालित निदान, टेलीमेडिसिन और बीमारी के अनुमान लगाने वाले मॉडल ग्रामीण-शहरी स्वास्थ्य असमानताओं को दूर कर सकते हैं।
- **कृषि:** सटीक खेती, मौसम की भविष्यवाणी और बाजार का पूर्वानुमान किसानों की आय और जलवायु लचीलेपन में सुधार करते हैं।
- **शिक्षा:** अनुकूल शिक्षण मंच और भाषा अनुवाद उपकरण समान शिक्षा परिणामों को बढ़ावा देते हैं।
- **वित्त:** एआई-आधारित धोखाधड़ी का पता लगाना और क्रेडिट स्कोरिंग वित्तीय समावेशन को गहरा करते हैं।
- **शासन:** एआई-सक्षम अदालती अनुवाद, स्मार्ट सिटी अनुकूलन और डिजिटल सेवा वितरण प्रशासनिक दक्षता को बढ़ाते हैं।

शिखर सम्मेलन का समर्थन करने वाला संस्थागत ढांचा

शिखर सम्मेलन को निम्नलिखित का समर्थन प्राप्त है:

- **इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY):** नीतिगत दिशा और अंतर-मंत्रालयी समन्वय।
- **इंडिया-एआई मिशन:** कंप्यूट बुनियादी ढांचा, स्वदेशी मॉडल और कौशल पारिस्थितिकी तंत्र।
- **सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (STPI):** स्टार्टअप इनक्यूबेशन और नवाचार सहायता।
- **डिजिटल इंडिया पहल:** डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे की रीढ़।

इस शिखर सम्मेलन की मेजबानी **भारत मंडपम** में की जा रही है, जो भारत की वैश्विक प्रौद्योगिकी कूटनीति का प्रतीक है।

अपेक्षित परिणाम

शिखर सम्मेलन का लक्ष्य है:

- क्षेत्र-विशिष्ट एआई नीतियां विकसित करना।
- शासन और नियामक ढांचे को मजबूत करना।
- केंद्र-राज्य सहयोग को बढ़ावा देना।
- रोजगार के अवसर पैदा करना।
- दीर्घकालिक साझेदारी बनाना।
- एआई जागरूकता और क्षमता बढ़ाना। यह चर्चा से क्रियान्वयन (Dialogue to Delivery) की ओर एक बदलाव का प्रतीक है।

चुनौतियां और चिंताएं

महत्वाकांक्षी ढांचे के बावजूद, कई मुद्दे बने हुए हैं:

- घरेलू एआई कंप्यूट बुनियादी ढांचे की कमी।
- आयातित सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र पर निर्भरता।
- डेटा गोपनीयता और एल्गोरिदम के पक्षपात (Bias) का जोखिम।
- अनौपचारिक क्षेत्रों में नौकरियों का विस्थापन।

IAS-PCS Institute
Result Mitra
रिजल्ट का साथी
@resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806

- एआई बुनियादी ढांचे का पर्यावरणीय प्रभाव।
- नियमों को लेकर अनिश्चितता। नवाचार और विनियमन (Regulation) के बीच संतुलन बनाए रखना एक प्रमुख नीतिगत चुनौती है।

आगे की राह

- नवाचार और सुरक्षा के बीच संतुलन बनाने वाला एक व्यापक एआई नियामक ढांचा विकसित करें।
- स्वदेशी सेमीकंडक्टर और कंप्यूट बुनियादी ढांचे में निवेश करें।
- एआई साक्षरता और पुन: कौशल कार्यक्रमों का विस्तार करें।
- 'ग्लोबल साउथ' एआई सहयोग तंत्र को मजबूत करें।
- सार्वजनिक एआई तैनाती में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करें।
- जलवायु प्रतिबद्धताओं के अनुरूप ऊर्जा-कुशल एआई प्रणालियों को बढ़ावा दें।

निष्कर्ष

इंडिया-एआई इम्पैक्ट समिट 2026 वैश्विक एआई शासन को विकास-केंद्रित नजरिए से फिर से परिभाषित करने का एक रणनीतिक प्रयास है। समावेशिता, स्थिरता और समान प्रगति के सिद्धांतों में एआई को बांधकर, भारत खुद को एक तकनीकी नवप्रवर्तक और ग्लोबल साउथ के एक वैचारिक नेता के रूप में स्थापित करना चाहता है। हालांकि, इस दृष्टि की सफलता निरंतर संस्थागत समन्वय, नियामक स्पष्टता, बुनियादी ढांचे के विकास और नैतिक सतर्कता पर निर्भर करेगी।

@resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806

प्रारंभिक परीक्षा अभ्यास प्रश्न

1. इंडिया-एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. यह पीपल, प्लैनेट और प्रॉफिट के सिद्धांतों पर आधारित है।
2. इसमें बहुपक्षीय एआई सहयोग के विषयों के रूप में 'सात चक्र' शामिल हैं।
3. इंडिया-एआई मिशन कंप्यूट बुनियादी ढांचे और स्वदेशी एआई मॉडल पर केंद्रित है।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1 B. केवल 2 और 3 C. केवल 1 और 3 D. 1, 2 और 3

उत्तर: B

2. इंडिया-एआई इम्पैक्ट समिट 2026 का समर्थन करने में कौन से संस्थान सीधे तौर पर शामिल हैं?

1. इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय
2. सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
3. भारतीय रिजर्व बैंक
4. इंडिया-एआई मिशन

नीचे दिए गए कोड का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

A. केवल 1, 2 और 4 B. केवल 1 और 3 C. केवल 2 और 3 D. 1, 2, 3 और 4

उत्तर: A

मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न: "आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में भारत के विकास पथ को बदलने की क्षमता है, लेकिन नैतिक और संस्थागत सुरक्षा उपायों के बिना यह असमानताओं को गहरा कर सकता है।" इंडिया–एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के संदर्भ में चर्चा करें। (250 शब्द)

IAS PCS Institute
Result Mitra
रिजल्ट का साथी
@resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806